

पूति न उधालि ना॥ ॥ ददि न धी ग न यति वा मसि दामे का ना॥
स ग न मं दु स ना आ व गालि न धि ना॥ ॥ नू ति सं हा न मा या वि श्व
वि या यि ना श्रु न रु य रु या धि दू लि न रु न धा॥ ॥ व रु ध न यु सा
दि न द स रु न यि या श्रु ल रु ल न मा नू सि दि व ल यु सा दा॥ ॥ २५ ॥ ॥ २५ ॥
व रु ध न म धि लि दू मि यू ना इ य नि कू ना ला श्रु क ल द ज वं दि न वा सा॥

2561

॥ विष्णुविष्णुसंस्तुमिह न सुगतपूजनी श्रीन हन दा यनी वी न स्व वी ॥

दयपुनरपि निर्वसु न प्रसदायसु अदिनी सिममलत व रु द वी ॥ ३ ॥ नम
कममानु नु रु वाय स र ना दू गतिना मन भा दू प द ॥ ॥ यग यग यग

॥ गम रु द रु न य र हान स्व र प ॥ २ ॥ यं वा म या न द स द व सा प

॥ रु द रु द वि वा जो ना य गि रु व न वि दि ता वि प्र वि म मा य

या जान द ॥

॥ वि रं वि रं स र स द जा जान द ॥ क न क म चा स

न रु द या जान द ॥

॥ यं व ध य र स ध स र य ॥ १ ॥ द वा ज स र य

अदि न रु द या ॥

॥ ३ ॥ आ रुं द्रो रं स्व ध न क लि न ॥ १ ॥ द म न रु द य ध नि

वि र मा जान द ॥

॥

॥ २ ॥ ग क न दि ॥ य न जा गि नि द वि नि रु व न

या य नि ॥ वि द्य मा न दू द द ल वि ना सि ति ॥

॥ ३ ॥ न मा मि दै वि जी व

मनसं हारं ॥

॥ निरुवनं नु द्रु ॥ कृत्वा यनरु वा दानीरुवनं नु द्रुय

कृ वि चार्दी वि च शक्तिनि रवन नानान नसं यु सा वि च रु वि पा ड य का का य

॥ ॥ अदि नि सं स न गु पु वा यं नु या ग्य रु दि रा न ला ण अ ला वे श क न म

म न न रु य व न न रु मि रु न रु य मा नू ज य सं हारं ॥ ॥ ॥ वा ग ना क

न कृ ण न द्रु नि नि ल य न सृ श्व वि श्व ष्ट ग द स रु य रु न कि ल न्ना ॥

॥ द्रु द वि वा या नू नि म हा मा म कि द वि श्व ग न य मा दि सं म य न स वा ग्य ॥

॥ आ म वे द य नान रु व र वा न श्रु श्रु गु ध न मा द श्रु गु ल रु य द स्य ॥

॥ यं रं वृ ध ख न क रु रु श्रु स या न श्रु नि मा ग्य रु नू ज श्रु नू रु नू ज ॥

॥ ग न गु ल रु न न री स ल ग न ध वि या श्रु न यी सि वा क व न स वा ला स

रु यि ॥ ॥ ॥ न न ग न ध न रु न वि ॥ न न मा श्रु नू क न नू य ध नू रु स रु

विसत्त्वडनाधनुः

॥ न नास्तु स्तु न नास्तु स्तु न नास्तु स्तु ॥

द्विना नालिमान आगध नूश्वय ५८ मूद्राध न॥

॥ धर्मे न त् सखन दद

ॐ धनुस्सुवैदसंसादि यचं प्रमल ॥ ॥ मायादहनिनर्गुशसादियकः

ॐ पुनस्तवमर्दं ॥ ॐ ॥ १२ ॥ गङ्गायामासि ॥ निचक्रवविसङ्गिलिमद

अधिति ज्ञानंदम् नृनिधनाश्वक्रवालादिजाविगनसवयानानालस्यी

महाश्री वा॥

॥ न न न न न न न न न न न न न न न न ॥

निबन्ध

मृत्तुव कृत्तुनि मृत्तुनि नृत्तुल मात्तुनन्द मृत्तुनिधना श्विध वत्तुत्तुधवत्तु

कृतमकृतधयादाद आसैरेन सुधतिना ॥

॥ वज्रयः८ गजवसः३॥

नृपप्राणदिलसा ज्ञानंदमनुनिधे जा शुकं न नि कया न व सै जै वा स निध न व

क्रियेयधने वायुचर्मकनि वर्धितम्॥

॥दिर्गविदिर्गकाकास्यदिउ

五
三
二
一

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विसृज्य सर्वं आनन्दमूर्तं ध्यायेत् ॥ तदा न संशयः ॥
 भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ७३ ॥ ~~नमो भगवते वासुदेवाय~~ ॥ दाद आरुण न किमपि
 तस्मिन् न भवति कदापि ॥ तस्मात् शत्रुघ्नो वाक्यं स्यात् ॥ न संशयः ॥ कदापि न
 भवति ॥ ॥ तस्मात् नमो भगवते वासुदेवाय ॥ तस्मात् नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वक्रवाजोऽपि न संशयः ॥ तस्मात् नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ तस्मात् नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः

प्रह्लादविजयम् ॥

॥ आग्निनिगुह्य विनूतवक्त्रं नरिण्ययि श्रुता यामद्वयवियात्क

नवसंविजयम् ॥

॥ रुयद्रुग् आग्निनिगुह्य नव नश्रयि श्रमनि कृत्त वीर्या लुडदि

यार्यसमाय ॥

॥ सासुदय नथा न कृत्तियता ना २ रंडसूर्यदयि पृष्ठन

समाय ॥

॥ रुनयिगदाजिह्म कृद् न विना २ नलनालिमा साडहयनर

विना ॥ ६६३

॥ ~~नागविरासः~~ विविदि विदुल सु न विमसिदु न च २ दवि

वासनगनरवनगु कना ॥

॥ नावयिनमामि श्रीसर्वजवि ना १ वरु आग्निनि

निमालसदमर्षि गना ॥

॥ वरुवा तादि जालिगन कथ २ रुनि सीविलवि

लखनसंभवविना ॥

॥ ^{विव} रमकदहनमासे ^{विव} गुरुकृत्त निलसीदा वगग

नगुश्यालिना ॥

॥ दादसरुध्रिया लालि वरु उवद य १ क नना न

तामनेचिपसंख ॥ ६६४

॥ ~~नागविरासः~~ उदिना नलयिय वव व न

श्रीगणेशाय नमः

नाश्वरं सुदयं कंकाषं प्रहयना ॥ धालदुष्काप्रवलि संनलितना ॥
 वखयनिर्लज्जनना ॥ दिनक प्रमदले मध्वगता ॥ कप्रना मरु
 प्रसप्तवकना ॥ दध्मज्जापिशाथयनिर्निदना ॥ दुवा सुप्रनलसिलसीना ॥
 ॥ गभजकियवन वृत्तिगुप्ररुगता ॥ वजवा नादिमि लनमिना ॥
 ॥ सागवतद्वं कना ॥ अर्वा निदिन वीमजान स्वज्ञकि प्रनना प्रसिना सा ॥ प्राग

धरमादुर्वदित्ययासागिरुवनयायाञ्चसलविजा॥ ॥ नमामिशीचर्तुम
 हानाखनाज्ञानमृदुरयश्चिह्नुरविस्वनाथविस्वयायिनविर्नविक्रमदाकाधना
 या॥ ॥ अतिविकनागाधयचद्रादृक्कनायाविदूतिकिजनाश्रयीदीन
 ज्ञानाककनयनावेतिर्नानासाखद्वस्रजना॥ ॥ माधवासायापूर
 दत्तवक्राजोदयिसागर्भियादृशरुलनाश्रमलसंसायाजागविमार्गसुनना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यास्यसि कदला ॥

॥ तत्तातल नायु जलितमं लीकय प्रनेय प्रम

नंगूतकाता २ भुवनलनाग वधिगु वयुत नायसु लध प्रवृत्त विना ॥

ॐ ॥ **गगकाभादल** ॥ अवनि निहितं द्रौ नूनीलसु मय ददा २ क कस्तनियनि

हिरयमय दना ॥

॥ गू नार्द्रं द्रौ न नाद्रं द्रौ शीत ज्वरन काधना या ॥

॥ निविधि न घन दुनि सा ^{सुन सुद} सुतय द २ या सरव जधुगिरुवन नाथ ॥

॥ दसिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दसुव द्वा नु व मा ना २ मा व वि प्र दू नि कृत्य पुना ॥

॥ विवोधि प्रवृत्ता

मो विनं कृत द द्वा २ जगती विवादि न वरु न काय कं ॥ **गगकाभादल** ॥

सिक्क सुमदू नि द द्वा वला ख ना २ ~~न नाद्रं द्रौ शीत ज्वरन काधना या~~ ॥

कठ विरु विना ॥

॥ न नाचयि लणी ज्वर विना २ न नाद्रं द्रौ शीत ज्वरन काधना या

सयि ज्वर ना ॥

॥ श्री मद्रव विष्णु मूडा दल ना २ पु रु जालि गन जदय म

सर्वसूक्तप्रिया ॥

॥ विनाग वरुह वरुयंक वरुह नस्यनिदिनरवज्ञ नरु

मियास ॥

॥ मापतनुदयनिस्त्रिपविद्युसुता ॥ नविष्ठासि शम्भयं द्रुगग

नविष्ठासिपिष्वरा ॥ ७० ॥

॥ विनागनाम ॥ सकल जगन्मृगसुख ॥ लविष्ठास्यन्

यज्ञकनकनिगसुखादिना ॥

॥ सम्यक् ॥ नमयि शस्यं विविधिविष्ठा

स्यविनासमसुख ॥

॥ दविष्ठासि नुद्रुमधि नदल ॥ वरुयदद

हिष्ठा ॥

नस्य ॥ श्रीवज्र जुदाग हीमंत्रमर्चिनिनेस्वगी ॥

हृहृ ह उ

उनेनोवाजिम्बरा मत्त ल ल

सि ५२

नदस्य १ सदस्यस्य निया लजिन हं न वयि स ॥ ॥ ५ वर प्राणिनी उलः
 मयलीया १ वर वा जादि अलिग न काल ॥ ॥ ३ धर वा द कल न क वालिका
 १ जय जय अलिग न तिलि नीलं वर्धु वालिका ॥ ॥ ॥ सर्वना भगना सा
 नं सर्वना था नेगे नयं सुवध मा ग ने न मा द सु म धु लं म न मं ॥ ॥ ॥ सर्व ल क
 न सं यं क स व न न वि वं जि नं सु मं न र द का या गं रा ख मं धु रं मं न मं ॥ ॥ ॥

५२ — ५३ — ५४ — ५५ — ५६ — ५७ — ५८ — ५९ — ६० — ६१ — ६२ — ६३ — ६४ — ६५ — ६६ — ६७ — ६८ — ६९ — ७० — ७१ — ७२ — ७३ — ७४ — ७५ — ७६ — ७७ — ७८ — ७९ — ८० — ८१ — ८२ — ८३ — ८४ — ८५ — ८६ — ८७ — ८८ — ८९ — ९० — ९१ — ९२ — ९३ — ९४ — ९५ — ९६ — ९७ — ९८ — ९९ — १०० —

सा निध मा गं स रं ह न व र्था वि स व कं स म न र द वा वा गं रा ख म धु लं म न
 मं ॥ य छि ॥ स व स व स व वि नं स ध य क र्ति नि म तं स म न र द वि न गी धा र व म
 धु ल सा ल धि ॥ ३ न ॥ सं य र्थ स र्व ज ग न म नार्थ र्त्त स व न ला ना ति ना पि ना स व
 वि क य भा द क ल नं दा कि नि हं ल का जि ना ज व क य लि व न ठ जि न गु न हं ह न
 द य भा श क कं ज स्या न स्य क पा नु ल रु स्य म न सा नि स य स ध य दि ना ॥ ॥ ॥

विष्णु देव गणेश

कलाठक व नुमा ज सं विगयि ॥ ॥ न न निम घु न मा सु उ दियालग
मन १ नवन नेयल व न स न नं य व ॥ ॥ श्री विष्णु नि द वि सल
नल मादिना १ स कल ज धि सि दि द हि म मा ना ॥ ॥ ॥ **गगन दि ॥ श्री**
व न ने ला मा द वि नि ह व न ना थ १ य र्वा न न था वि न व व र्ध द द ॥
॥ न मा मि १ श्री य र्वा ग रे ला १ द ल क शि गु क स लि वे ज ग गि नि स न न ॥

॥ य व दि ग वि न ह ले न व नि ल व र्ध द द १ द हि न या न धि लि व म वि द नि
म ला ॥ ॥ य स म लि वे नि ग गि नि द वि १ ग ग गि नि लि ला व र्ध द का न स ग गि
॥ ॥ **गगन दि ॥ श्री** उ त व व ध क व र्ध द का ला न का नि ला नि लि वे ये यि
या ल १ स न यि य न न ल म ला का ध ल अ वि य धि न द ल ॥ ॥ य
य या द य १ स र्ध द ना ज कि ल य र्ध द द या य र्ध ल १ उ व र्ध कि ल य व र्ध ध न

विष्णु देव गणेश

आहू काय वाकचिह्न किलयनिधी वज्रसत्त्वया आधिया लब्ध नूतनसिधि
युद्धं मां हृदयं ॥ १ ॥ यद्दिगदालका काननलहि नाकुदमिधालन
या २ चदगुलिष नासमसा नादवाधियनिगनकिलयनि ॥ ३ ॥ उक्तं
नदिगदालका उक्ताननल ॥ ४ ॥ मवर्धननाहस्वमवदना ॥ लोदम
हालसमसानकुशोधियनिगनकिलयनि ॥ ५ ॥ यद्विदमदिगदाल

खानाननलमिधू या नूनननूविकनत्त्या १ दालाकलस्मसानवानाधियनि
गनकिलयनि ॥ ६ ॥ दद्विदमदिगदाला अस्तकलाननलकनकविरुदहा
यद्यलनादी १ कीलकहे जगमसासा सानालयु वनाधियनिगनकिलयनि ॥
७ ॥ दद्विदमदिगदाला अस्तकलाननलकनकविरुदहा
मसास्मसानल नू अधियनिगनकिलयनि ॥ ८ ॥ दिगिद्वलका नः

इति लघुनात् न न नूकाधत्वा ११ लोस्म वलङ्गनात् न मदा तमसाना
ल माङ्गलाधियनि गनकि।त्यनि ॥ ८ ॥ वायुश्च वलकात् दविजमदं
नियलङ्गस्यामनन कला वदनि ११ धा ला ध कालति खमस्मसा नौ ल वाणाः
धियनि धंग न किलेयति ॥ ९ ॥ ॐ ॥ न्न वनका ११ द वी यममै धनी
यं ॥ म कृ कृ ला विकन ल्या ११ लो दुस्म सो नौ की वी किली या व नमदा स्मसाना

अरुगाधियनि गदा की नयति ॥ १० ॥ उर्ध्वश्च वलकात् उर्ध्वसा ११ लो मान
विद्यनद्वननं यी रा ददा ११ वुक्कन विम मि गदा स करं खचनाधियनि
गदा की नयति ॥ ११ ॥ यं रा नाउ का ध अति निम्र मूयति पाता न वा सि
नं धमानद्वननं ११ यी पि ददी भू ह न गदा ११ घना गति कं रुचनि मान
गदा की नयति ॥ १२ ॥ दह दि ददा ह काला लपु न मा मि दसको ध ल ॥ वा

७५०

यास्य वल यदा न यानि वेद्युनि वारु न ॥ ॥ १ ॥ न ग रं स वि म ग उ ३
जिन उ ह वै द धा य त्रि या कम न वृ त्रि स अ ह वा त्रि १ उ म न क न र्हि का
ध न गि गू ना वा म ख ल्वां म क पा स ध न ॥ ॥ धी स व न या या वा क्क सि तु द
उ तु त्रि ना १ मा न यि प्र चा य यि या प्र वि मा या सा स र व म द्रु सि ना ॥ ॥
पा स व द म मू लु वा म म धा ध न या व न न सि न मा ना १ नि न द त्रि न प्र वि

॥ १३

विषय

त क न का र च वृ स ख अ ति वि दू ला ध न ॥ ॥ आ त्रि ध रं न व चा य ३
यि स का त्रि ना ति वि स म द्रा १ वि स द्रु त्रि स अ ह च द्रु उ रा ह द्रु व्या द
च म र व उ म द्रा १ वि स वि न म ध ल ना य द गि नि च द्रु म द्रा वि न वि न १
क नू न मृ ग म वि न वि न स व न रू उ वि स च ल स म ध न ॥ ॥ ॥ ॥
~~विषय~~ वि स य वि स व व प न स आ ग न यि च द्रा त्रि जी ना सि द

